परिशिष्ट

परिशिष्ट - 1

प्रश्नावली

1. आपका जन्म कब और कहाँ हुआ?

मेरा जन्म इलाहाबाद जिले (उत्तर प्रदेश) के बलापुर नामक गाँव में हुआ । स्कूली दस्तावेज के अनुसार मेरी जन्मतिथि 5 जुलाई, सन 1949 है, मगर पारिवारिक सूत्रों का कहना है कि मैं 3 अगस्त, 1950 को पैदा हुआ था ।

2. क्या आप अपने माता-पिता तथा परिवार संबंधी जानकारी देने की कृपा करेंगे?

जब मैं 12-13 वर्ष का था, तभी मेरे माता-पिता का निधन हो गया । मेरे पिता का नाम वलीमुहम्मद और माता का नाम करीमन बी था । मेरी माँ अशिक्षित थी; मगर पिता उर्दू, फारसी और अरबी भाषाओं के ज्ञाता थे । उन्होंने पहले जंगल विभाग में नौकरी की, फिर इस्तीफा देकर व्यापार करने लगे । उसमें घाटा हुआ और गरीबी ने हमें दबोच लिया। परिवार बहुत बड़ा था। अब भी है । मगर मैं स्वयं को अकेला महसूस करता रहा, आज भी करता हूँ ।

3. आपका बचपन कहाँ और कैसे बीता?

मेरा बचपन मध्य प्रदेश के मण्डला जिले में स्थित हिनौता नामक गाँव में बीता। वहीं मेरी प्रारंभिक शिक्षा हुई । कारण यह, कि मेरी माँ उसी गाँव की थी । पिताजी की नौकरी चूँकि म.प्र. के जंगल विभाग में थी, इसीलिए ऐसा हुआ । बचपन कैसे बीता, इसका अनुमान 'जहरबाद' और 'समर शेष है' नामक मेरे उपन्यासों से लगाया जा सकता है ।

4. बचपन में आपकी कौन-कौनसी रूचियाँ थी ?

1. पढ़ना । बाजार से कोई चीज जिस कागज में बँधकर आती थी, उस कागज में लिखी इबारत तक को पढ़ा करता था ।
2. खेलने के लिए घर बनाना । कभी पत्थर के टुकड़ों से और कभी घास और लकड़ियों से । एक जगह मैंने लिखा है कि अगर मैं लेखक न होता तो राजगीर होता ।
3. नर्मदा नदी से मछलियाँ फँसाना ।

5. आपकी शिक्षा कहाँ हुई ?

1. प्राथमिक शिक्षा, हिनौता के उस विद्यालय में जो मेरे पिताजी के प्रयासों से खुला था ।
2. मिडिल तक की शिक्षा दुल्लोपुर (म.प्र.) के मिशन स्कूल में ।
3. हाई स्कूल और इण्टरमीडिएट की शिक्षा मिर्जापुर जिले (उ.प्र.) के लालगंज नामक के कस्बे में ।
4. बी.ए. की शिक्षा मिर्जापुर शहर में ।
5. एम.ए. एवं डी.फिल्. इलाहाबाद विश्वविद्यालय से ।

6. शैक्षिक जीवन में आपको किन-किन समस्याओं से गुजरना पड़ा?

देखें : 'समर शेष है ।' उपन्यास

7. आपका विवाह कब हुआ?

जब समय आया, तब हुआ ।

8. विवाह किस पद्धति से सम्पन्न हुआ?

इस्लामी पद्धति से ।

9. आपने कौन-कौनसी नौकरियाँ की?

1. एक स्कूल में अध्यापन ।
2. मित्र प्रकाशन लिमिटेड में 'माया' नामक पत्रिका का उपसंपादक ।
3. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, हनुमना (म.प्र.) में व्याख्याता (मात्र 16 दिन)
4. बनारस के एक इण्टर कालेज में लेक्चरर (10 वर्ष)
5. 1984 से जामिआ मिल्लिया इस्लामिया में ।
6. 1993-95 के दौरान वार्सा (पोलैण्ड) में हिन्दी अध्यापन ।

10. आपने अध्यापन क्षेत्र को ही क्यों चुना?

क्योंकि अध्यापन में मेरी गहरी रूचि रही है और है । जब औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहाँ को जेल में डाला तो पूछा कि आप कौन-सा काम करना पसंद करेंगे? जवाब मिला, कैदियों को पढ़ाऊँगा । औरंगजेब की प्रतिक्रिया थी : शहंशाही नहीं गई । यानी अध्यापन का अर्थ है 'शहंशाही' । मुझे यह पसन्द है ।

11. आपने अध्यापन कार्य कहाँ-कहाँ किया?

प्रश्न संख्या - 9 में इसका जबाब निहित है ।

12. आपकी किन-किन रचनाओं को पुरस्कार मिले हैं? (पुरस्कारों के नाम)

1. मुझे बोलने दो (कविता-संग्रह) उत्तर प्रदेश, दिल्ली संस्थान का पुरस्कार (1977)
2. झीनी-झीनी बीनी चदरिया (उपन्यास) सोवियत लैण्ड नेहरू पुरस्कार (1987)
3. झीनी-झीनी बीनी चदरिया - केडिया पुरस्कार (म.प्र.) 1987
4. वली मुहम्मद एवं करीमन बी की कविताएँ । दिल्ली अकादमी का पुरस्कार।
5. रैन बसेरा (कहानी-संग्रह) पर उ.प्र. हिंदी संस्थान का यशपाल पुरस्कार ।

13. आपके साहित्यिक जीवन का आरंभ कहाँ से हुआ?

कह नहीं सकता । शायद अभाव से, शायद प्रेम से, शायद जीवन के अनुभवों से।

14. आपको उपन्यासकार की अपेक्षा कवि-कथाकार के रूप में जाना जाता है, क्यों?

क्योंकि उपन्यास के अलावा कहानियाँ और कविताएँ भी लिखी हैं । मेरे कविता-संग्रह निम्नवत् हैं :

1. मुझे बोलने दो,
2. छोटे बुतों का बयान,
3. वली मुहम्मद और करीमन बी की कविताएँ,
4. किसके हाथ गुलेल (दोहे)

15. सभी उपन्यासों में आपको अपना कौनसा उपन्यास प्रिय लगता है और क्यों?

मुझे 'समर शेष है' बहुत प्रिय है । शायद इसलिए कि वह उपन्यास नहीं, एक जीवन है जो आज अविश्वसनीय लगता है ।

16. 'दंतकथा' के बाद उपन्यास लेखन में काफी अंतर दिखाई देता है, क्यों?

मैं जल्दबाजी में कोई काम नहीं करता । फिर, उपन्यास लिखना कोई खेल नहीं है। जब तक अनुभवों में विस्तार एवं गहराई न हो, अच्छा उपन्यास नहीं लिखा जा सकता । जो लोग जल्दी जल्दी उपन्यास लिखते हैं, वे मात्र खिलवाड़ करते हैं ।

17. क्या आपके मित्र परिवार के संबंध में जानकारी देने की कृपा करेंगे?

बनारस में एक-दो मित्र-परिवार रहे हैं । उनसे आज भी घनिष्ठ सम्बंध हैं । उनमें एक अश्फाक साहब हैं । उनके पिता को मैं अब्बा कहा करता था । हाल ही में उनका निधन हो गया । यहाँ दिल्ली में मित्र-परिवार की कल्पना ही नहीं की जा सकती । वैसे भी, जीवन में जान-पहचान वाले बहुत मिलते हैं, पर यदि एक मित्र मिल जाएं तो यही बहुत हैं ।

18. आप बनारस से दिल्ली क्यों आए?

बनारस में मैं एक इण्टरमीडिएट कालेज में लेक्चरर था । मैं लगातार प्रयत्न कर रहा था कि किसी विश्वविद्यालय में जाऊँ । मेरा वह प्रयत्न सन 1984 में सफल हुआ और मैं जामिआ मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली आ गया ।

19. क्या आपका वैवाहिक तथा अध्यापकीय जीवन सुखमय है?

हाँ, है ।

20. क्या आपकी रचनाओं पर राही मासूम रजा के लेखन का प्रभाव है?

नहीं ।

21. आप शिक्षक आंदोलन में क्यों सहभागी हुए थे?

सन 1977 में शिक्षा के राष्ट्रीयकरण को लेकर एक आंदोलन हुआ था । उन दिनों मैं बनारस (उ.प्र.) के एक कॉलेज में अध्यापक था । चूँकि मैं उत्तर प्रदेश शिक्षक संघ में सक्रिय था, इसलिए आंदोलन में तो भाग लेना ही था ।

22. आपने सन 1988 की सोवियत संघ की यात्रा क्यों की? यात्रा कैसी रही?

मुझे 'झीनी-झीनी बीनी चदरिया' उपन्यास के लिए सन 1987 का सोवियत लैण्ड नेहरू पुरस्कार प्राप्त हुआ, जिसमें पन्द्रह दिनों की सोवियत यात्रा भी शामिल थी । इसीलिए गया। यात्रा अच्छी रही । उस यात्रा की यादें आज भी ताजा हैं ।

23. क्या आज काशी के हस्तशिल्पियों के जीवन में परिवर्तन दिखाई देता है?

हाँ, दिखाई देता है । शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है । अपने अधिकारों के प्रति वे सतर्क हुए हैं । लेकिन गरीबी अब भी है ।

24. 'कदम' पत्रिका के संदर्भ में आपके क्या विचार हैं ?

यह पत्रिका मैंने और कामरेड उत्तमचंद ने मिलकर निकाली थी । अब इसे मऊनाथभंजन (उ.प्र.) से डॉ. जयप्रकाश 'धूमकेतु' निकाल रहे हैं । पत्रिका का स्वरूप अब बदल गया है ।

25. वार्सा यूनिवर्सिटी (पोलैंड) में आप कौन से विषय पढ़ाते थे?

वहाँ मैं हिन्दी भाषा और साहित्य पढ़ाता था । साथ ही भारतीय संस्कृति के विविध पक्षों को लेकर भी विचार-विमर्श होता था । वहाँ की पढ़ाई का ढाँचा हमारे देश से एकदम भिन्न है।

26. सन 1996 के बाद आपकी कौन कौनसी रचनाएँ प्रकाशित हुई है और किस प्रकाशन से?

1. 'रफ रफ मेल' - कहानी संग्रह - सन 2000, राजकमल प्रकाशन
2. 'लोक काव्य-विधा कजरी' (लोक-साहित्य) - सन 2000, अनंग प्रकाशन, बी-202, गली मंदिर वाली, उत्तरी घौण्डा, दिल्ली-110 053.

27. आपकी दृष्टि में संघर्ष की क्या परिभाषा है?

हर परिभाषा अधूरी होती है । कहा गया है कि जहाँ छः अर्थशास्त्री एकत्र होते हैं, वहाँ अर्थशास्त्र की सात परिभाषाएँ जन्म लेती हैं । इसलिए इस तरह के प्रश्नों से उलझना अपना समय बरबाद करना है ।

28. आप क्यों लिखते हैं?

यह प्रश्न निरर्थक है । आखिर इस प्रश्न का क्या उत्तर होगा, ''आप क्यों सोते हैं?'' या फिर ''आप क्यों जीवित हैं?''

29. आपकी विशेष रूचि किस विधा में है ?

खासकर कथा-साहित्य और कविता में ।

30. आपकी दृष्टि से आपके साहित्य का कथ्य क्या है ?

मेरे साहित्य का कथ्य पाठक और आलोचक तय करेंगे, मैं नहीं । साहित्य जब प्रकाशित हो जाता है तो वह सार्वजनिक हो जाता है ।

SHIVAJI UNIVERSITY LIBRARY KOLHAPUR

31. आपका साहित्य किस प्रकाशन से प्रकाशित हुआ है? (उपन्यास छोड़कर)

1. मुझे बोलने दो (कविता-संग्रह), युग बोध प्रकाशन, वाराणसी । (अनुपलब्ध)
2. टूटा हुआ पंख (कहानी-संग्रह), आलेख प्रकाशन, दिल्ली । (अनुपलब्ध)
3. कितने कितने सवाल (कहानी संग्रह), पराग प्रकाशन, 3/114, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली । (संभव है, मिल जाए।)
4. रैन बसेरा (कहानी-संग्रह) वाणी प्रकाशन, दरिया गंज, नई दिल्ली । (संभव है, कि मिल जाए।)
5. अतिथि देवो भव, (राजकमल प्रकाशन) (अनुपलब्ध)
6. 'रफ रफ मेल' (राजकमल प्रकाशन)
7. जीनिया के फूल (प्रेम प्रकाशन, दिल्ली, 3012, बल्लीमारान
8. छोटे बुतों का बयान (कविता संग्रह), संभावना प्रकाशन, हापुड (उ.प्र.)
9. वली मुहम्मद और करीमन बी की कविताएँ । पराग प्रकाशन (संभव है, कि मिल जाए ।)
10. किसके हाथ गुलेल (दोहे) (अनुपलब्ध)
11. अल्पविराम (आलोचना पुस्तक) (अनुपलब्ध)
12. मध्यकालीन हिन्दी काव्य में सांस्कृतिक समन्वय । हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद (शोध-प्रबंध, सन 1985 में प्रकाशित)
13. लोक काव्य विधा 'कजरी', अनंग प्रकाशन, बी-202, गली मंदिर वाली, उत्तरी घौण्डा, दिल्ली - 110 053.

इनके अलावा अनेक अनुदित किताबें 'राजकमल' से छपी हैं ।

तुम्हारा,

(अब्दुल बिस्मिल्लाह)